Title: Solo Leveling
Episode 07 - तीन नियम।

SFX: Highly tensed music

Narrative: सुमित ने चिल्ला कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

सुमित: सब इधर सुनो।

Narrative: बाकी सब शिकारी जिन्हे ना कुछ समझ आ रहा था न ही उनमें कोई उम्मीद बची थी, सबने एक साथ सुमित की ओर देखा जिसके हाथ की उंगलियां दूर एक statue की तरफ इशारा कर रही थी।

सुमित: तुम सबको इस statue के सामने झुक कर इसे नमस्तक नमन करना होगा।

Narrative: इतना सुनते ही सारे शिकारी एक दूसरे की तरफ देखने लगे। उन्हें या तो सुमित की बोली बात समझ नही आई या फिर उन्हें हैरानी थी की आखिर उसने ऐसा करने के लिए क्यूं बोला।

उनमें से एक शिकारी: तो तुम चाहते हो हम इस अजीब से दिखने वाली चीज के सामने सिर झुकाएं?

Narrative: सुमित ने हां के सिर हिला कर जवाब दिया। ये देखते ही सबके चेहरे पर गुस्सा और नाराजगी दिखने लगी।

दूसरा शिकारी: तुम पगला तो नही गए हो? होश में हो या इस मुश्किल समय में दिमाग चलना बंद हो गया है तुम्हारा?

तीसरा शिकारी: इतनी बड़ी मुश्किल सामने है और तुम ये फालतू बकवास कर रहे हो।

Narrative: किम के चेहरे से तो मानो गुस्सा का फुव्वारा फूट रहा हो।

किम: मुझे तुमसे ये उम्मीद नही थी सुमित। अगर अभी मैं यहां से हिल सकता तो सबसे पहले तुम्हारे पास आता और कम से कम दो चार मुक्के तो तुम्हे मार ही देता, या शायद इतना मरता की उसकी तरह तुम्हारा भी statue ही बना मिलता यहां।

Narrative: बाकी शिकारियों से इतना कुछ सुनने के बाद भी सुमीत के चेहरे पर कोई उदासी नही थी। सुमित ने सोचा,

सुमीत: हमारे आधे शिकारी साथी को इस statue ने मार डाला। स्वाभाविक है की ये लोग इस बात पर गालियां ही देंगे। लेकिन मैं अपनी बात कैसे रखूं। मेरे पास कोई तार्किक जवाब भी तो नही है की इन्हे इसके सामने क्यूं झुकना चाहिए। क्या बोलूं की मेरा दिल बोल रहा है इससे हमारी परिस्थिति में सुधार आ सकता है। ये जवाब इन्हे संतुष्टि तो नही पहुचायेगा।

Narrative: अभी सुमित इतना सब सोच ही रहा था की पीछे से एक आवाज आई।

Mr Song. जैसा भी तुम इस वक्त बोलोगे मैं वैसा करने के लिए तैयार हूं सुमित।

SFX: Backhround music change to mysterical touch

एक शिकारी: सुमित की तरह तुम भी अपना दिमागी संतुलन खो चुके हो क्या? पता भी है क्या बोल रहे हो?

Narrative: सबकी नजरों को नजर अंदाज करते हुए Mr. Song ने सुमित की तरफ देखा,

Mr. Song: सुमित, यकीनन तुम्हे कुछ ऐसा दिखा है जो हम में से कोई नहीं देख पा रहा इस वक्त।

सुमित: हां, मेरे अंदर की आवाज चाह रही है की हम ऐसा करे।

Narrative: इतना सुनते ही असमंजस में पड़े सभी शिकारी थोड़ी देर के लिए शांत हो गए। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ जब ऐसे ही सुमित के instincts ने सबकी जान बचाई थी। जिसके instincts पर एक बार भरोसा किया हो, उस पर दोबारा भरोसा करने में कोई हर्ज नहीं था, और फिर उनके पास दूसरा रास्ता भी नही था। सबसे पहले Mr Song aage बढ़े और उस statute ke सामने नमस्तक झुक गए।

Narrative: सुमित ने आगे बढ़ कर सबकी आंखों से आंखे मिलाते हुए बोला,

सुमित: देखो, हम में से किसी के पास कोई रास्ता नहीं है। क्या पता इससे ही शायद हमारी जान बच जाएं?

SFX: Whispering ambience

Narrative: पहले तो सबने एक दूसरे को देखा और कुछ न कुछ फुसफुसाते रहे पर सुमित की बात सुनते ही सबके चेहरे पर जिंदा वापस लौटने की उम्मीद फिर से जागी, धीरे धीरे सबने सुमित की बात मान ली। पर इसके बावजूद Statue में कोई बदलाव नहीं आया। उसकी आंखें अभी भी वैसी ही चमक रही थी जैसी पहले।

SFX: mysterious music

Narrative: Statue में बदलाव ना पाकर सुमित का तो मानो पूरा शरीर ठंडा पड़ गया। उसे कुछ समझ नही आ रहा था।

सुमित: ये कैसे हो सकता है। मेरे instincts गलत कैसे हो सकते है?

Narrative: ये सब सोचते हुए सुमित की नजर नैना पर गई। वो भी सिर झुकाए बैठी थी पर दूर से ही दिख रहा था की उसका शरीर डर और घबराहट से कितना ज्यादा कांप रहा था। उसने सुमित से नज़रे मिलाते हुए बोला,

नैना: सुमित, अगर हम सब….

Narrative: सुमित ने नैना की बात खत्म होने से पहले ही उसके हाथो पर अपना हाथ रखा ताकि वो खुद को संभाल सके, अपने डर पर काबू रख सके। अभी बस सुमित ही था जो statute के सामने नही झुका था। उसने गहरी सांसें ली और धीरे धीरे नीचे बैठ कर नमस्तक वह भी झुक गया। उसके झुकते ही अचानक…..

SFX: Adventurous and calm music